

उत्तर मध्य रेलवे

जनसम्पर्ककार्यालय
उत्तरमध्यरेलवे
प्रयागराज

पत्रांक: 11पीआर/01/2026

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 01.01.2026

श्री अनिल कुमार द्विवेदी ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर का पदभार ग्रहण किया

भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा (IRSME) के 1992 बैच के प्रतिष्ठित अधिकारी श्री अनिल कुमार द्विवेदी ने आज, 01 जनवरी 2026 को उत्तर मध्य रेलवे (NCR) के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (PCME) के रूप में आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने निवर्तमान अधिकारी श्री सुनील कुमार भारती की सेवानिवृत्ति के बाद यह पदभार ग्रहण किया है।

श्री द्विवेदी ने कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (KNIT), सुल्तानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे (NER) और उत्तर मध्य रेलवे (NCR) में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने डीजल लोको शेड (गोंडा), लोको ऑपरेशन (लखनऊ), और गोरखपुर (GKP) वर्कशॉप में तकनीकी भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (C&W) के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव के रूप में उनका कार्यकाल उच्च स्तरीय प्रशासनिक दक्षता के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

श्री द्विवेदी ने परिचालन दक्षता और वित्तीय जिम्मेदारी के लिए कई उच्च-स्तरीय पुरस्कार प्राप्त किये हैं। लखनऊ में DME/O&F के पद पर रहते हुए, उन्होंने पदों के अभ्यर्पण (surrender) के माध्यम से 36 लाख रुपये और 119 इंजन क्लीनर के रणनीतिक पुनर्नियोजन के माध्यम से 88 लाख रुपये की बचत की। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (डीजल)/गोंडा के रूप में, उन्होंने ल्यूब ऑयल की खपत में 73 लाख रुपये की बचत की और लोकोमोटिव आउटेज को लक्ष्य से 7.2% अधिक बनाए रखा। गोंडा डीजल शेड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें रेल मंत्री (MR) पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

अपर मंडल रेल प्रबंधक (ADRM)/प्रयागराज के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री द्विवेदी ने अर्ध-कुंभ 2019 के सफल संचालन में नोडल अधिकारी के रूप में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें कुशल प्रबंधन और रेलवे योजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हस्ताक्षरित प्रशंसा पत्र भी मिला है। साथ ही इस मेगा-इवेंट की त्रुटिहीन और सूक्ष्म योजना के लिए तत्कालीन रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा डीओ (DO) पत्र भी प्रदान किया गया।

PCME का पदभार संभालने से पहले, श्री द्विवेदी भारतीय रेलवे यांत्रिक और विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (IRIMEE) में डीन के रूप में कार्यरत थे। इस महत्वपूर्ण भूमिका में, उन्होंने युवा रेलवे परिवीक्षकों (probationers) को तकनीकी ज्ञान और प्रबंधकीय प्रशिक्षण प्रदान कर भारतीय रेलवे के भविष्य के नेतृत्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे के रोलिंग स्टॉक के आधुनिकीकरण, सुरक्षा और सफल रखरखाव एवं संचालन के लक्ष्यों को और गति मिलने की उम्मीद है।

Shri Anil Kumar Dwivedi Assumes Charge as Principal Chief Mechanical Engineer of North Central Railway

Shri Anil Kumar Dwivedi, a distinguished officer of the 1992 batch of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers (IRSME), has officially assumed the office of Principal Chief Mechanical Engineer (PCME) of North Central Railway (NCR) on 01.01.2026. Shri Dwivedi takes charge following the retirement of the previous incumbent Shri Sunil Kumar Bharti.

Academic Foundation and Career Highlights

Shri Dwivedi earned his Bachelor's degree in Mechanical Engineering from the Kamla Nehru Institute of Technology (KNIT), Sultanpur. Over his career, he has served in various critical capacities across the North Eastern Railway (NER) and North Central Railway (NCR), including:

- Technical Roles: Diesel Loco Shed (Gonda), Loco Operation (Lucknow), and GKP Workshop.
- Divisional Leadership: Served as Sr. DME (C&W) in Prayagraj.
- Administrative Excellence: His tenure as Secretary to the General Manager (NCR) is widely recognized for high-level administrative efficiency.

Exceptional Achievements and Awards

Shri Dwivedi's career is marked by several high-profile awards for operational efficiency and fiscal responsibility:

- Cost Optimization: While posted as DME/O&F/LJN, he saved Rs 36 lakh through post surrenders and Rs 88 lakh through the strategic redeployment of 119 engine cleaners.
- Operational Efficiency: As Sr. DME/DSL/Gonda, he achieved Rs 73 lakh in savings on lube oil consumption and maintained locomotive outage at 7.2% excess of target.
- National Recognition: He has been a recipient of the Minister of Railways (MR) Award for the excellent performance of the Gonda Diesel Shed.

Stellar Leadership during Kumbh Mela 2019

During his tenure as ADRM/Prayagraj, Shri Dwivedi played a monumental role as a Nodal Officer in the successful conduct of Ardh-Kumbh 2019. His contributions earned him prestigious recognition, including:

- A Commendation Letter for efficient management and railway planning signed by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi and Hon'ble Chief Minister Shri Yogi Adityanath.
- A DO Letter from the then Minister of Railways, Shri Piyush Goyal, for his flawless and meticulous planning of the mega-event.

Mentorship and Training

Prior to taking charge as PCME, Shri Dwivedi served as Dean at the Indian Railway Institute of Mechanical and Electrical Engineering (IRIMEE). In this vital role, he was instrumental in imparting technical knowledge and managerial training to young railway probationers, shaping the future leadership of the Indian Railways.

His leadership is expected to further the goals of modernization, safety and successful maintenance and operation of Rolling stock over North Central Railway.

**प्रकाशनार्थ
मुख्य संवाददाता
प्रयागराज/झाँसी/आगरा मण्डल**

**(शशि कान्त त्रिपाठी)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज**